रजिस्ट्री सं. डी. एल.—33004/95

REGD. NO. D.L.—33004/95

सत्यमेव जयते

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 17] नई दिल्ली, सोमवार, जनवरी 8, 1996/पौष 18, 1917
No. 17] NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 8, 1996/PAUSA 18, 1917

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

संकल्प

नई दिल्ली 8 जनवरी, 1996

फा. सं. 22/6/95-बिक्री कर.—दिनांक 2 दिसम्बर, 1995 को हुए वित्त मंत्रियों के सम्मेलन में अन्तरराज्यीय बिक्री के कराधान की समस्या का अध्ययन करने के लिए अधिकारियों और विशेषज्ञों के एक समूह के गठन की सिफारिश का संकल्प पारित किया गया था।

2. उक्त संकल्प के अनुसरण में सरकार ने इस प्रयोजन के लिए, एक समूह का गठन करने का निर्णय किया है। इसमें निम्नलिखित शामिल होंगे :—

1.	डा. पी. शोम, एन.आई.पी.एफ.एड.पी.	अध्यक्ष
2.	डा. अमरीश बागची, एन.आई.पी.एफ., एड.पी.	सदस्य
3.	डा. पुलिन नायक, योजना आयोग	सदस्य
4.	वित्त सचिव, महाराष्ट्र सरकार	सदस्य
5.	वित्त सचिव, मध्य प्रदेश सरकार	सदस्य
6.	वित्त सचिव, आन्ध्र प्रदेश सरकार	सदस्य
7.	वित्त सचिव, पश्चिम बंगाल सरकार	सदस्य
8.	वित्त सचिव, असम सरकार	सदस्य
9.	वित्त सचिव, हरियाणा सरकार	सदस्य

3. इस समूह के विचारणीय विषय इस प्रकार होंगे :—

(क) अन्तरराज्यीय बिक्री के कराधान की समस्या का अध्ययन करना और मूल्य वर्धित कर लागू करने के साथ-साथ एक सांझे बाजार की आवश्यकता को मद्देनजर रखते हुए संभव समाधान का सुझाव देना।

(ख) अन्य बातों के साथ-साथ तीन विकल्पों पर विचार करना अर्थात् सी.एस.टी. को एक पूल में क्रेडिट करना जो कि स्वीकृत सूत्र के आधार पर राज्यों के बीच में बांटा जाएगा, अन्तरराज्यीय बिक्री की शून्य रेटिंग और सी.एस.टी. की दर में कटौती।

(ग) अन्य संबंधित मामलों के संबंध में सिफारिश करना।

4. यह समूह अपने कार्य के लिए अपनी कार्य विधि तैयार करेगा और अपने अध्ययन के लिए केन्द्रीय और राज्य सरकारों/संघशासित क्षेत्रों से आवश्यक सूचना मंगवा सकता है।

5. अपने कार्य को पूर्ण करने के लिए समूह किसी अन्य विशेषज्ञ की सहायता ले सकता है।

6. एन.आई.पी.एफ., एड.पी. इस समूह को सचिवालीय सहायता प्रदान करेगा।

7. यह समूह 30 जून, 1996 तक अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।

8. केरल गुजरात और बिहार के वित्त सचिवों को रिपोर्ट को अन्तिम रूप देने में पहले विशेष आमंत्रिती के रूप में बुलाया जाएगा।

एन. एन. मुखर्जी, अपर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

RESOLUTION

New Delhi, the 8th January, 1996

F. No. 22|6|95-ST.—The Finance Ministers' Conference held on 2nd December, 1995 had adopted a resolution recommending constitution of a group of officials and experts to study the problem of taxation of inter-State sales.

2. In pursuance of the resolution Government has decided to constitute a group for this purpose. It will consist of—

1. Dr. P. Shome, NIPF&P	Chairman
2. Dr. Amaresh Bagchi, NIPP&P	Member
3. Dr. Pulin Nayak, Planning Commission	Member
4. Finance Secretary, Govt. of Maharashtra	Member
5. Finance Secretary, Govt. of Madhya Pradesh	Member
6. Finance Secretary, Govt. of Andhra Pradesh	Member
7. Finance Secretary, Govt. of West Bengal	Member
8. Finance Secretary, Govt. of Assam	Member
9. Finance Secretary, Govt. of Haryana	Member

3. The terms of reference of the group would be—

(a) To study the problem of taxation of inter-state sales and suggest possible solution keeping in view the introduction of value Added Tax as also the need to create a common market.

(b) To consider inter-alia 3 alternatives namely, crediting of CST in a pool to be shared between the States on the basis of an agreed formula, zero rating of inter-State sales and reduction in the rate of CST.

(c) To make recommendations regarding other related matters.

4. The Group will evolve its own procedures for its work and may for its study call for information as may be necessary from Central and State Governments|Union Territories.

5. The Group may co-opt any other expert as a member to facilitate its work.

6. The NIPF&P will provide secretarial assistance to the Group.

7. The Group will submit its report by the 30th June, 1996.

8. Finance Secretaries of Kerala, Gujarat and Bihar would be invited as special invitees, before finalising the report.

N. N. MOOKERJEE, Addl. Secy.

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Maya Puri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054. 1996